मुख्यमंत्री ने बीसलपुर बाँध पर जल पूजन कर अच्छी बारिश की कामना की

इस अभियान से पूरे प्रदेश के बाँध, तालाब, सरोवर, एनिकट आदि का संरक्षण व सफाई होगी- भजनलाल

टोंक/भरतपुर/जयपुर, 25 मई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को गंगा दशमी के अवसर पर टोंक स्थित बीसलपुर बांध से 'वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान' का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने बीसलपुर बांध पर वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधिवत जल पूजन किया और प्रदेश में अच्छी बारिश के लिए कामना की। इसके बाद मुख्यमंत्री ने बीसलदेव महादेव मंदिर के दर्शन कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की प्रार्थना की।

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बीसलपुर बाँध के कार्यक्रम के बाद ईसरदा बाँध का हवाई सर्वेक्षण किया। इसके बाद उन्होंने भरतपुर स्थित बँध बरेठा बाँध पर भी विधिवत जल पूजन किया।**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को गंगा दशमी के अवसर पर टोंक स्थित बीसलपुर बांध से "वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान" का शुभारंभ किया।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि ऋषि-मुनियों की तपस्या से गंगा दशहरा के दिन ही पृथ्वी पर मां गंगा अवतरित होकर हमारी जीवनदायिनी बनी। हमारी सरकार द्वारा पिछले साल भी वंदे गंगा जल संरक्षण अभियान चलाकर प्रदेशभर में बांध, तालाब, सरोवर एवं एनिकट सहित जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं सफाई के कार्य किए गए थे।

इस वर्ष भी आज से इस अभियान की शुरुआत की जा रही है। अभियान के तहत प्रदेशभर में सभी सांसद, विधायक एवं अन्य जनप्रतिनिधि विभिन्न कार्यक्रमों में सहभागी बनकर जल संरक्षण से जुड़े कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि जल ही जीवन है और आमजन इस अभियान में सक्रिय भूमिका निभाकर जल संरक्षण अभियान को सफल बनाएं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा राजस्थान के ऐसे पहले मुख्यमंत्री हैं, जिन्होंने बीसलपुर बांध पहुंचकर स्काडा प्रणाली का पूरा अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि बीसलपुर बांध पूर्वी राजस्थान के जिलों में निर्बाध पानी की आपूर्ति का एक बड़ा माध्यम है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बांध क्षेत्र में नई संरचनाओं का निर्माण किया जाए।

इसके बाद मुख्यमंत्री ने ईसरदा बांध का हवाई सर्वेक्षण कर जल संरक्षण, जल प्रबंधन एवं सिंचाई परियोजनाओं से जुड़े कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। गौरतलब है कि रामजल सेतु लिंक परियोजना का फीडर चैनल तीन प्रमुख बांधों- ईसरदा, गलवा एवं बंध बरेठा से गुजरता है।

इस दौरान जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैया लाल, विधायक राजेन्द्र गुर्जर, शत्रुघ्न गौतम, रामसहाय वर्मा, अतिरिक्त मुख्य सचिव जल संसाधन अभय कुमार सहित, अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारीगण तथा बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भरतपुर स्थित बंध बरेठा बांध पर भी विधिवत् एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ जल पूजन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से जल संरक्षण को जनभागीदारी का अभियान बनाने का आव्हान करते हुए कहा कि जल ही जीवन का आधार है और आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए जल संसाधनों का संरक्षण अत्यंत आवश्यक है।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने बंध बरेठा बांध की पाल के कार्यों का भी निरीक्षण किया तथा अधिकारियों से परियोजना के विस्तार एवं उन्नयन कार्यों की जानकारी ली।

इस अवसर पर गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ म, विधायक बहादुर सिंह कोली, ऋतु बनावत, अतिरिक्त मुख्य सचिव जल संसाधन अभय कुमार सहित, अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

गुलमर्ग रोपवे खराब हुआ, 300 पर्यटक हवा में फंसे

श्रीनगर, 25 मई। जम्मू-कश्मीर के गुलमर्ग में रोपवे गोंडोला (रोपवे) में सोमवार को तकनीकी खराबी आने से करीब 300 पर्यटक बीच हवा में फंस गए। करीब सात घंटे तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

रोपवे के 65 केबिन दोपहर करीब 1.30 बजे बीच हवा में रुक गए थे। कुछ केबिन जमीन से करीब 500 फीट की ऊंचाई पर थे। एक केबिन में 6 लोग बैठ सकते हैं। भारी बारिश के बीच एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, सेना और पुलिस ने जॉइंट ऑपरेशन चलाया।

- **सात घंटों के रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद सभी यात्रियों को सुरक्षित निकाला गया।**

शाम 8.30 बजे रेस्क्यू खत्म हुआ। भारतीय सेना ने बताया कि ज्यादातर लोगों को रस्सियों और सीढ़ियों के सहारे नीचे उतारा गया। इनमें कई महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग भी थे।

गुलमर्ग गोंडोला दो फेज में बंटा है। पहला फेज गुलमर्ग को कोंगडोरी से जोड़ता है। दूसरा फेज कोंगडोरी से अफरवात स्टेशन तक जाता है। दोनों रूट में कुल 108 केबिन कार हैं। श्रीनगर से गुलमर्ग गोंडोला की दूरी 51 किमी है।

राष्ट्रपति मुर्मु ने पद्म पुरस्कार 2026 प्रदान किये

अभिनेता धर्मेन्द्र, उद्योगपति उदय कोटक, पूर्व सीएम कोश्यारी, एड मैन पीयूष पांडे, खिलाड़ी हरमनप्रीत व रोहित शर्मा को पुरस्कार दिए गए

नई दिल्ली, 25 मई। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को हिंदी सिनेमा के दिग्गज अभिनेता धर्मेन्द्र को मरणोपरांत पद्म विभूषण से सम्मानित किया, जबकि पूर्व मुख्यमंत्री भगत सिंह कोश्यारी, उद्योगपति उदय कोटक और भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर भुल्लर को भी प्रतिष्ठित पद्म सम्मानों से नवाजा गया। वरिष्ठ नेता प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा को मरणोपरांत पद्म भूषण प्रदान किया गया।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन के गणतंत्र मंडप में आयोजित नागरिक अलंकरण समारोह-1 में 66 लोगों को पद्म पुरस्कार 2026 प्रदान किए। इनमें 2 पद्म विभूषण, 6 पद्म भूषण और 58 पद्म श्री शामिल हैं।

हिंदी सिनेमा के दिग्गज अभिनेता और बॉलीवुड के 'ही-मैन' के नाम से प्रसिद्ध धर्मेन्द्र को मरणोपरांत पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उनकी पत्नी और अभिनेत्री हेमा मालिनी ने प्राप्त किया।

विख्यात वायलिन वादक डॉ. एन राजम को हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत को वैश्विक पहचान दिलाने में उनके 75 वर्षों के योगदान के लिए पद्म विभूषण प्रदान किया गया।

- **राष्ट्रपति भवन के गणतंत्र मंडप पर आयोजन नागरिक अलंकरण पद्म समारोह में 66 लोगों को पद्म पुरस्कार दिये गये, जिनमें 2 पद्म विभूषण, 6 पद्म भूषण और 58 पद्मश्री पुरस्कार थे।**

पद्म भूषण सम्मान पाने वालों में उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं महाराष्ट्र के पूर्व राज्यपाल भगत सिहं कोश्यारी को लोक कार्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। वरिष्ठ राजनेता प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा को मरणोपरांत पद्म भूषण प्रदान किया गया, जिसे उनके पुत्र अजय मल्होत्रा ने ग्रहण किया।

इसके अलावा, अवधान कला के आचार्य शतावधानी डॉ. आर गणेश, उद्योगपति उदय कोटक, प्रसिद्ध गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट डॉ. कल्लिपट्टी रामासामी पलानिस्वामी तथा विज्ञापन जगत की हस्ती पीयूष पांडेय (मरणोपरांत) को भी पद्म भूषण से सम्मानित किया गया।

पद्म श्री सम्मान प्राप्त करने वालों में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर भुल्लर और पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता ऊंची कूद खिलाड़ी प्रवीण कुमार प्रमुख रहे। इसके अलावा, यूजीसी के पूर्व अध्यक्ष एवं जेएनयू के पूर्व कुलपति प्रो. एम. जगदीश कुमार, वरिष्ठ हॉकी कोच बलदेव सिंह, तबला वादक कुमार बोस, बंगाली अभिनेता प्रोसेनजीत चटर्जी, वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी के. विजय कुमार, कुचिपुड़ी नृत्यांगना दीपिका रेड्डी, तमिल लेखिका शिवशंकरी सहित, विभिन्न क्षेत्रों की अनेक हस्तियों को पद्म श्री सम्मान प्रदान किए गए।

समारोह में कला, साहित्य, चिकित्सा, समाज सेवा, कृषि, खेल, शिक्षा और लोक परंपराओं से जुड़े कई प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों को उनके योगदान के लिए पद्म श्री से सम्मानित किया गया।

ताश के पत्तों के महल की तरह ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

राज्य भर में तृणमूल शासन के प्रतीक एक-एक कर गायब होते जा रहे हैं। अब तक तृणमूल नेताओं और उसके गुंडों के डर में रहने वाले लोग खुलकर सामने आ रहे हैं और तृणमूल नेताओं व उनके समर्थकों पर हमले बोल रहे हैं।

तृणमूल के सबसे डरावने माने जाने वाले कार्यकर्ताओं को लोग पकड़कर सार्वजनिक रूप से पीट रहे हैं और "चोर-चोर" के नारे लगा रहे हैं। कई लोगों को चप्पलों और जूतों से भी पीटा गया। पुलिस भी कई जगह इन झड़पों में हस्तक्षेप करने में असमर्थ दिखाई दी।

सॉल्ट लेक क्षेत्र के युवा भारती स्टेडियम के सामने लगी लिओनैल मैसो की प्रतिमा, जिसे गिरफ्तार किए जा चुके सुजीत बोस ने लगवाया था, अब हवा में झूल रही है और इसे हटाया जा सकता है। मैसी की 70 फुट ऊंची यह प्रतिमा लोगों के लिए खतरा बन गई है।

इससे पहले ममता बनर्जी द्वारा बनाई गई एक मूर्ति भी तोड़ी जा चुकी है। इस मूर्ति में एक धड़, दो पैर, दो फुटबॉल और बंगाली में ममता बनर्जी के हस्ताक्षर के रूप में "ब" अक्षर बना हुआ था। कई लोगों ने इसे बदसूरत बताते हुए इसके हटने पर राहत की सांस ली।

एक अन्य मामले में, सिलीगुड़ी के दार्जिलिंग मोड़ पर लगा ममता बनर्जी के हस्ताक्षर वाला ढांचा भी हटा दिया गया है। हालांकि आज भी ममता बनर्जी यह मानने से इनकार कर रही हैं कि उनकी पार्टी चुनाव हार गई है। उनका कहना है कि नतीजों में गड़बड़ी की गई है।

ममता बनर्जी के कुछ करीबी सहयोगी अब उनसे दूरी बना रहे हैं और पार्टी छोड़ रहे हैं। अत्यन्त सक्रिय कार्यकर्ता तथा संसद में पार्टी के पूर्व नेता काकोली दासगुप्ता ने भी ममता बनर्जी से अपने संबंध तोड़ने की खुलकर घोषणा कर दी है।

तृणमूल कांग्रेस अब राज्य की जनता की आंखों के सामने ताश के पत्तों की तरह बिखरती दिखाई दे रही है।

कांग्रेस ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

शिवकुमार तथा सिद्धारमैया की प्रसिद्ध "ब्रेकफास्ट मीटिंग्स" के जरिए एकता का संदेश देकर संकट को टाल दिया था। उस समय सूत्रों ने संकेत दिया था कि कांग्रेस नेतृत्व केरल और तमिलनाडु विधानसभा चुनावों के बाद कर्नाटक के अंदरूनी विवाद पर ध्यान देगा। पिछले सप्ताह शिवकुमार के जन्मदिन के आसपास यह संकट फिर उभरता दिखाई दिया, जब उनके समर्थकों ने कांग्रेस कार्यालयों पर "नेक्स्ट सीएम" वाले पोस्टर लगाए और इसी संदेश वाले केक भी लाए गये। सिद्धारमैया सार्वजनिक रूप से यह कहते रहे हैं कि कांग्रेस हाईकमान जो भी निर्णय लेगा, वे उसका पालन करेंगे।

जयपुर में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रुपये (+2.60) प्रति लीटर, डीज़ल 95.05 रुपये प्रति लीटर मिलेगा।

ईंधन की कीमतों में ताजा बढ़ोतरी से यात्रियों, परिवहन संचालकों और विभिन्न क्षेत्रों के व्यवसायों पर वित्तीय बोझ बढ़ने की आशंका है। 16 मई को, कई महीनों की स्थिरता के बाद भारत में पेट्रोल और डीज़ल दोनों की कीमतों में 3 रुपये की बढ़ोतरी की गई थी। यह बढ़ोतरी कई लोगों के लिए चौंकाने वाली थी, क्योंकि अप्रैल 2022 से ईंधन की कीमतें लगभग स्थिर बनी हुई थीं। केवल मार्च 2024 में, लोकसभा चुनावों से पहले, कीमतों में 2 रुपये प्रति लीटर की कटौती की गई थी।

सूरजगढ़ का वीडीओ साढ़े ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक पुलिस गोविन्द गुप्ता ने बताया कि एसीबी चौकी झुंझुनूं को शिकायत मिली थी कि परिवादी गांव बेरला स्थित अपने आवासीय भूखंड में मेडिकल दुकान संचालित करता है। उसने उक्त भूखंड को व्यवसायिक श्रेणी में परिवर्तित कराने के लिए ग्राम पंचायत बेरला में आवेदन किया था। शिकायत के अनुसार, ग्राम विकास अधिकारी राजकुमार ने भूखंड को व्यवसायिक में परिवर्तित करने तथा एनओसी जारी करने की एवज में 19 मई 2026 को 8.50 लाख रुपए रिश्वत की मांग की। 21 मई को एसीबी ने शिकायत का गोपनीय सत्यापन कराया, जिसमें आरोपी द्वारा रिश्वत मांग की पुष्टि हुई। इसके बाद एसीबी के उप महानिरीक्षक पुलिस डॉ. रामेश्वर सिंह के सुपरविजन में झुंझुनूं इकाई के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नरेन्द्र कुमार पूनियां के नेतृत्व में ट्रैप कार्रवाई की गई। आरोपी ने परिवादी को सूरजगढ़ स्थित दीपक मेडिकोज पर बुलाया, जहां रिश्वत की रकम लेते ही एसीबी टीम ने उसे दबोच लिया। एसीबी टीम ने आरोपी के हाथ से 8.50 लाख रुपए की रिश्वत राशि बरामद कर ली। कार्रवाई के दौरान मौके पर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की गई।

कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक हाई कोर्ट पहुंचे

नई दिल्ली, 25 मई। चीफ जस्टिस की टिप्पणी के बाद अचानक चर्चा में आई कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दिपके ने अपना एक्स अकाउंट ब्लॉक करने के फैसले को दिल्ली उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर चुनौती दी है। अभिजीत दिपके ने वकील नकुल गांधी के जरिये उच्च न्यायालय में याचिका दायर की है।

कॉकरोच जनता पार्टी का एक्स अकाउंट इंटेलिजेंस ब्यूरो के इनपुट के आधार पर ब्लॉक किया गया था। इंटेलिजेंस ब्यूरो ने राष्ट्रीय सुरक्षा की वजह से एक्स अकाउंट ब्लॉक करने की सिफारिश की थी।

असम विधानसभा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आधारित व्यक्तिगत कानूनों की जगह एक समान व्यवस्था लागू करने की बात कही गई है, जिससे समानता और लैंगिक न्याय सुनिश्चित किया जा सके। विधेयक के अनुसार, राज्य में एक पत्नी प्रथा अनिवार्य होगी तथा विवाह के लिए पुरुषों की न्यूनतम् आयु 21 वर्ष और महिलाओं की 18 वर्ष निर्धारित की गई है। साथ ही सांस्कृतिक विविधता को बनाए रखते हुए वैदिक विवाह, अहोम चकलोंग, सप्तपदी, निकाह, होली यूनियन और आनंद कारज जैसी पारंपरिक एवं धार्मिक विवाह पद्धितयों को मान्यता दी गई है।

बी-2 बाईपास पर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अदालत ने कहा कि हाईकोर्ट में लंबित अपील के निपटारे तक बचे हुए 10 मकानों में तोडफ़ोड सहित अन्य कोई कार्रवाई नहीं की जाए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि प्रथम दृष्टया हाईकोर्ट का 21 अप्रैल 2026 को दिए गए रोक के आदेश को हटाना उचित नहीं लगता है। सुप्रीम कोर्ट ने यह निर्देश सोमवार को श्रीराम कॉलोनी विकास समिति की एसएलपी को निस्तारित करते हुए दिया। अदालत ने स्पष्ट किया कि यदि रोक के आदेश को हटाने के लिए हाईकोर्ट के समक्ष कोई प्रार्थना पत्र पेश होता है तो वह उसे पक्षकारों को सुनकर निर्णीत किया जाए।

श्रीराम कॉलोनी विकास समिति ने एसएलपी में हाईकोर्ट की खंडपीठ के 18 मई 2026 के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें खंडपीठ ने 21 अप्रैल को एकलपीठ के आदेश पर लगाई अपनी ही रोक हटा दी थी। विकास समिति की ओर से सीनियर एडवोकेट अरुण चौधरी व अधिवक्ता आशीष शर्मा ने कहा कि खंडपीठ ने पक्षकारों को सुनकर ही एकलपीठ के आदेश पर रोक लगाई थी, लेकिन 18 मई को किसी भी पक्षकार की ओर से रोक को हटाने के संबंध में कोई भी प्रार्थना पत्र दायर नहीं करने पर भी खंडपीठ ने खुद ही रोक हटा दी। आदेश पर लगी रोक हटने के चलते ही हाउसिंग बोर्ड ने जमीन पर कार्रवाई कर दी। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने विकास समिति से पूछा कि अब कितने मकान बचे हैं, जवाब में विकास समिति ने कहा कि वहां पर अब केवल 10 मकान ही बाकी रहे हैं। जिस पर सुप्रीम कोर्ट ने हाउसिंग बोर्ड की आगामी कार्रवाई पर रोक लगाते हुए विकास समिति की एसएलपी निस्तारित कर दी।

जिमखाना ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में यह भी कहा गया है कि 22 मई को भूमि एवं विकास कार्यालय (एल एंड डी ओ) ने क्लब को परिसर खाली करने का आदेश जारी किया था।

यह याचिका केन्द्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय के भूमि एवं विकास कार्यालय (एल एंड डी ओ) द्वारा क्लब प्रबंधन को परिसर का कब्जा सौंपने का निर्देश देते हुए बेदखली नोटिस जारी करने के कुछ दिनों बाद दायर की गई।

यूपी भाजपा में भारी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लेकिन, मायावती की बसपा राजनीतिक रूप से कमजोर होने के बावजूद राज्य की राजनीति में अब भी एक महत्वपूर्ण कारक बनी हुई है।

कांग्रेस के एक वर्ग में बसपा के साथ गठबंधन की संभावना पर विचार करने की इच्छा है। हाल ही में ऐसी खबरें आई थीं कि कुछ कांग्रेसी नेता अघोषित रूप से मायावती के लखनऊ स्थित आवास पर उनसे मिलने पहुंचे थे, लेकिन बसपा प्रमुख ने उनसे मिलने से इनकार कर दिया।

राजनीतिक पर्यवेक्षकों का मानना है कि बसपा की ओर कांग्रेस की यह पहल केवल सपा के साथ सीटों में बड़ा हिस्सा हासिल करने की रणनीति के अलावा और कुछ नहीं है। सपा और कांग्रेस दोनों समझते हैं कि इस समय वे एक-दूसरे से अलग नहीं हो सकते। सपा प्रमुख अखिलेश यादव कई बार संकेत दे चुके हैं कि गठबंधन जारी रहेगा। कांग्रेस नेता भी इसी तरह की बातें कर रहे हैं। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि दोनों दलों के लिए यह जरूरी है कि वे चुनाव से कई महीने पहले समझौते को अंतिम रूप दें और उम्मीदवारों के नामों की घोषणा कर दें।

कॉकरोच जनता पार्टी, मीम ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बदल दिया। यही इस आंदोलन की सबसे बड़ी मनोवैज्ञानिक ताकत बन गई। इतिहास में कई बार ऐसा हुआ है कि जिन समूहों का अपमान किया गया या जिन्हें हाशिये पर धकेला गया, उन्होंने उन अपमानजनक शब्दों को अपनी राजनीतिक पहचान में बदल दिया। यहाँ पर "कॉकरोच" जीवित रहने, लगातार बने रहने और गायब होने का एक उदाहरण बन गया, ऐसे जीव, जो कुचलने की कोशिशों के बावजूद खत्म नहीं होते।

यह प्रतीक उन बेरोजगार युवाओं, निराश स्नातकों, मीम बनाने वालों और डिजिटल रूप से सक्रिय शहरी भारतीयों के बीच तेजी से लोकप्रिय हुआ, जिन्हें लगता है कि उन्हें आर्थिक अवसरों और राजनीतिक प्रभाव से दूर रखा जा रहा है। यह आंदोलन खुद को "आलसी और बेरोजगारों की आवाज" बताता है और कहता है कि यह "उन लोगों की राजनीतिक पार्टी है, जिन्हें सिस्टम गिनना ही भूल गया।"

इसमें व्यंग्य जानबूझकर इस्तेमाल किया गया है। खुद पर मजाक करके समर्थक अप्रत्यक्ष रूप से राजनीतिक व्यवस्था, न्यायिक अभिजात्यवाद और उस कॉरपोरेट अर्थव्यवस्था का मजाक उड़ा रहे हैं, जो असंतुष्ट युवाओं को अक्सर हकदार या बेरोजगार कहकर खारिज कर देती है।

राजनीतिक हलकों में चिंता केवल इसके हास्य की वजह से नहीं, बल्कि इसके तेजी से वायरल होने की वजह से बढ़ी है। बताया जाता है कि इस आंदोलन को कुछ ही दिनों में भारी ऑनलाइन समर्थन, सेलिब्रिटी समर्थन और विपक्षी सहानुभूति मिल गई। राजनीतिक रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने चेतावनी दी कि इसे मजाक समझकर नज़रअंदाज़ करना गलती होगी, क्योंकि यह व्यवस्था के खिलाफ असली गुस्से को दर्शाता है।

सत्ता व्यवस्था की बेचैनी के पीछे कई कारण हैं। पहला, यह आंदोलन भारत की विकास कहानी के पीछे छिपी गहरी आर्थिक चिंता को सामने लाता है। दूसरा, पॉलिटिकल लामबंदी का एक डीसेंट्रलाइज़्ड मीम आधारित तरीका दिखाता है, जिसे नियंत्रित करना या बदनाम करना मुश्किल है। तीसरा, व्यंग्य राजनीतिक रूप से खतरनाक होता है, क्योंकि यह पारंपरिक विपक्षी बयानबाजी की तुलना में सत्ता की छवि को ज्यादा प्रभावी ढंग से चुनौती देता है।

आखिरकार, "कॉकरोच जनता पार्टी", संस्थाओं और एक ऐसी पीढ़ी में भरोसे के बढ़ते संकट को दिखाती है, जो खुद को आर्थिक रूप से असुरक्षित, राजनीतिक रूप से अनसुनी और भावनात्मक रूप से अलग-थलग महसूस करती है। यही कारण है कि एक सटायरिकल (व्यंग्यात्मक) मीम आंदोलन ने औपचारिक राजनीतिक दलों की तुलना में राजनीतिक व्यवस्था को कहीं ज्यादा असहज कर दिया है।

रिपोर्टों के मुताबिक, सीजेपी के कई डिजिटल प्लेटफॉर्म भारत में ब्लॉक या सीमित कर दिए गए हैं, जिससे अनौपचारिक कार्रवाही की अटकलें तेज हो गई हैं।

एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर उसका अकाउंट भारत में कानूनी मांग के बाद रोक दिया गया। रिपोर्टों में यह भी कहा गया कि समूह के संस्थापक अभिजीत दिपके के अनुसार, बाद में इसकी वेबसाइट भी बंद या ब्लॉक कर दी गई। कुछ बैकअप अकाउंट और ऑनलाइन पेजों में भी रुकावट आने की खबरें हैं।

इसके बावजूद, यह आंदोलन अन्य प्लेटफॉर्मों, खासकर इंस्टाग्राम और नए रिप्लेसमेंट हैंडल्स पर सक्रिय दिखाई दे रहा है। इसका मतलब है कि अब तक की सरकारी कार्रवाई किसी औपचारिक कानूनी प्रतिबंध के बजाय विशेष डिजिटल अकाउंट्स और वेबसाइटों तक सीमित दिखती है।

समर्थकों का कहना है कि ये पाबंदियां दिखाती हैं कि सरकार सटायर और डिजिटल असहमति से असहज है। वहीं, सीजेपी के आलोचकों का दावा है कि यह आंदोलन राजनीतिक रूप से प्रेरित, भ्रामक या गलत सूचनाओं और विदेशी प्रभाव के प्रति संवेदनशील हो सकता है। सरकारी एजेंसियों ने फर्जी सीजेपी सदस्यता लिंक के जरिए होने वाले फ़िशिंग घोटालों को लेकर साइबर अपराध चेतावनी भी जारी की है।

पंचायत और निकाय चुनाव टालकर जनता का हक मार रही है सरकार- पायलट

पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने टोंक जिले के ग्रामीण क्षेत्र का दौरा किया व बरवास में विकास कार्यों का लोकार्पण किया

-कार्यालय संवाददाता-

टोंक, 25 मई। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव, पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं टोंक विधायक सचिन पायलट ने कहा कि प्रदेश में पंचायत और स्थानीय निकायों के चुनाव टालकर भाजपा सरकार जनता का हक मार रही है। लम्बे समय से सरपंच, पंचायत समिति, जिला परिषद् और नगरपालिकाओं के चुनाव जानबूझकर टाले जा रहे हैं। हाईकोर्ट द्वारा बार-बार फटकार लगाने के बावजूद कोई न कोई बहाना सरकार द्वारा बनाया जा रहा है। पायलट ने सोमवार को टोंक प्रवास के दौरान पं.स. टोंक की ग्राम पंचायत पालड़ा तथा पं.स. टोड़ारायसिंह की ग्राम पंचायत बरवास एवं छान बाससूर्या का दौरा कर ग्रामीणों को सम्बोधित करते हुए ये बातें कहीं।

उन्होंने राजकीय प्राथमिक विद्यालय बरवास में विधायक कोष से 16 लाख रु. की राशि से निर्मित दो कक्षा-कक्ष तथा ग्राम बरवास में 10 लाख रु. की राशि से निर्मित सम्मेल का नाका पड़ाव एनिकट के मरम्मत कार्य का लोकार्पण किया।

कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव व पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने सोमवार को टोंक प्रवास के दौरान ग्राम पंचायत बरवास में ग्रामीणों को सम्बोधित किया।

सचिन पायलट ने नीट पेपर लीक के मामले को लेकर कहा कि ऐसी घटना तीसरी बार हुई है, जिसमें 2024 में जो पेपर लीक हुआ था, भारत सरकार ने सीबीआई को जांच सौंपी थी, उसका क्या हुआ, दो सालों में किसको दोषी पाया गया, किसको सजा हुई, कौन जेल गया, किसी को पता नहीं। बार बार आश्वासन देने के बावजूद एनटीए कुछ नहीं कर पाई, वह नेशनल ट्रॉमा एजेंसी बन चुकी है। अब सरकार बहुत बड़ा एहसान कर रही यह बोल कर कि हम दोबारा एग्जाम कराएंगे और बच्चों से फीस नहीं लेंगे। एनटीए खाते में आज 1000 करोड़ रुपए पड़ा हुआ है, बच्चों से एग्जाम फीस वसूल रखी है। मैं ऐसा मानता हूं कि जो पेपर होता है, उसे ग्रामीण क्षेत्र का बच्चा नहीं खरीद सकता है, यह करोड़ों का मामला है, इसमें बड़े गिरोह शामिल हैं।

डीजल-पेट्रोल के दामों को लेकर सचिन पायलट ने कहा कि पूरे चुनाव में सरकार ने कुछ नहीं कहा, प्रचार में व्यस्त रही। अब महंगाई का बोझ लोगों पर डाल रही है। अगर पहले से सचेत रहते और कोई प्रावधान करते, वैकल्पिक व्यवस्था करते तो इतना भार लोगों पर नहीं पड़ता। चौथी बार डीजल पेट्रोल के दाम बढ़े हैं, डीजल पेट्रोल के दाम बढ़ने से पूरी सामग्री महंगी हो जाती है। पहले ही बेरोजगारी, पेपरलीक से लोगों की उम्मीद तोड़ रहे हो और फिर आप (सरकार) गरीबों की जेब पर डाका और डाल रहे हो।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में आज जनता बिजली और पानी जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए त्राहि-त्राहि कर रही है, लेकिन सरकार में कोई भी उनकी सुध लेने वाला नहीं है। सरकार का प्रशासन पर कोई नियंत्रण नहीं है और सरकार जनहित के मुद्दों को छोड़कर, केवल धार्मिक ध्रुवीकरण और गैर-जरूरी एजेंडों में उलझी हुई है। उन्होंने कांग्रेस शासनकाल का जिक्र करते हुए कहा कि कांग्रेस सरकारों ने हमेशा जनता के पैसे को सीधे जनता तक पहुंचाने के लिए मनरेगा, शिक्षा और स्वास्थ्य के अधिकारों जैसे ऐतिहासिक कानून बनाए थे। महिला सशक्तिकरण पर विशेष जोर देते हुए उन्होंने कहा कि जब महिलाएं घर और परिवार को कुशलतापूर्वक संभाल सकती हैं तो वे बेहतरीन जनप्रतिनिधि भी बन सकती हैं। उन्होंने केन्द्र की पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के प्रयासों को याद दिलाते हुए कहा कि कांग्रेस ने हमेशा महिलाओं को संसद और विधानसभाओं में एक-तिहाई आरक्षण देने की पक्षधर रही है, जबकि विपक्षी दलों ने हमेशा इस राह में रोड़े अटकाए हैं। उन्होंने कहा कि पंचायत और नगर पालिकाओं में आज जो महिलाओं को प्रतिनिधित्व मिला है, वह कांग्रेस की दूरदर्शी सोच का ही परिणाम है।

- **पायलट ने कहा कि नीट पेपर लीक की घटना तीसरी बार हुई है। भारत सरकार ने पहले भी सीबीआई को जाँच सौंपी थी। दो साल में क्या हुआ, किसी को नहीं पता।**

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908